हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 29 मई 2025, समय 1305 (5 मिनट)

केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार, हरियाणा गृह विभाग ने आज व्यापक नागरिक सुरक्षा अभ्यास, "ऑपरेशन शील्ड" को स्थगित करने की घोषणा की है। इस संदर्भ में सभी उपायुक्तों एवं अन्य हितधारकों को सूचित कर दिया गया है।इसी तरह चंडीगढ़ प्रशासन ने भी आज होने वाले व्यापक नागरिक सुरक्षा अभ्यास, "ऑपरेशन शील्ड" को स्थगित कर दिया है। आज कोई ब्लैक आउट नहीं होगा।

****

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने चौदह खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कल नई दिल्ली में कहा कि रामतिल के लिए सबसे अधिक वृद्धि करते हुए आठ सौ बीस रुपये प्रति क्विंटल, रागी के लिए पांचसौ छियानवे रुपये प्रति क्विंटल, कपास के लिए पांच सौ नवासी रुपये प्रति क्विंटल और तिल के लिए पांच सौ उनासी रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य करने की सिफारिश की गई है।सामान्य धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपए प्रति क्विंटल और ए ग्रेड का 2389 रुपए प्रति क्विंटल होगा।श्री वैष्णव ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए यह वृद्धि की गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रतिबद्धता दिखाई है किसानों को उनकी कॉस्ट के ऊपर पचास परसेंट मिनिमम मार्जेन मिले उसका ध्यान रखा गया है तो जितने भी क्रॉप्स है, हरेक क्रॉप के कास्ट प्लस फिफ्टी परसेंट। इस चीज का ध्यान रखा गया है ।

मंत्रिमंडल ने किसान क्रेडिट कार्ड पर चालू वित्त वर्ष में वर्तमान डेढ प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना को जारी रखने की भी मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंडी सीजन 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने का किसान-हितैषी निर्णय लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है।श्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में जारी एक बयान में कहा है कि यह निर्णय किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और कदम है।उन्होंने कहा कि सामान्य धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 2013-14 के मुकाबले 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जबकि ए-ग्रेड धान में 78 प्रतिशत की वृद्धि है।

****

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बीच, राष्ट्र भारतीय सैनिकों की वीरता को नमन कर रहा है। आकाशवाणी समाचार सशस्त्र बलों के लिए श्रद्धांजलि स्वरूप, एक विशेष श्रंखला प्रसारित कर रहा है। आज इस कड़ी में हम याद कर रहे हैं परमवीर चक्र विजेता मेजर धानसिंह थापा को जिन्होंने 1962 में चीन-भारत युद्ध में अदम्य साहस दिखाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था।

1928 में हिमाचल प्रदेश के शिमला में जन्में मेजर धन सिंह थापा अगस्त, 1949 में आठ गोरखा राइफल्स में भर्ती हुए। 1962 में हुए भारत-चीन के युद्ध के दौरान मेजर थापा लद्दाख में पेंगोंग झील के पास एक रणनीति ग्रुप से महत्वपूर्ण सिरीजाप-1 पोस्ट पर सी कंपनी की एक पलटन की कमान संभाल रहे थे। इस पलटन का काम चुशुल एयरफील्ड की रक्षा करना था। 21 अक्तूबर 1962 को चीनियों ने इस पोस्ट पर तोप और मोटार्र से तेज हमला किया । इस हमले में वहां क्षेत्र में आग लगने के साथ-साथ कुछ वायरलैस सेट को भी नुकसान पहुंचा। संख्या में कम होने के बावजूद मेजर थापा और उनके साथियों ने लगातार दो बार दुश्मन द्वारा किए गए हमलों को विफल कर उसे काफी नुकसान पहुंचाया। लगातार हो रहे दुश्मन के हमलों से विचलित हुए बिना मेजर थापा और उनके साथी दुश्मन का मुकाबला डटकर करते रहे। इसके बाद चीनी सेना ने टैंकों की मदद से तीसरा और अधिक तीव्र हमला किया। गोला बारूद की कमी के बावजूद पलटन ने प्रतिरोध जारी रखा और जब चौकी पर आखिरकार दुश्मन ने कब्जा कर लिया तो मेजर थापा अपने ट्रेंट से बाहर निकले दुश्मन के साथ अपने हाथों से हमला किया। अंत में दुश्मन ने उन्हें अपने कब्जे में ले लिया। अपने असाधारण साहस, नेतृत्व और बहादूरी के लिए मेजर धन सिंह थापा को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। सकलेन अख्तर, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

कैथल जिला रोजगार कार्यालय के सौजन्य से कल कैथल के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार अधिकारी ममता कुमारी ने बताया कि मेले के दौरान 207 प्रार्थियों ने नौकरियों के लिए पंजीकरण करवाया। मेले में 141 युवाओं को नौकरी की पेशकश के पत्र प्रदान किए गए।